सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 21 November TO 27 NOVEMBER 2025 • VOLUME 18 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"समय का सम्मान करने वाला व्यक्ति कभी पीछे नहीं रहता।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	30°	16°
शनिवार	31 °	17°
रविवार	32°	18°
सोमवार	33°	19°
मंगलवार	34°	18°
बुधवार	33°	17°
वीरवार	32°	16°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

10वीं बार बिहार के सीएम बने नीतीश कुमार, 26 मंत्रियों ने भी ली शपथ

पटना. जदयू प्रमुख नीतीश कुमार ने गुरुवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। आयोजित समारोह में 26 मंत्रियों ने भी शपथ ग्रहण की जिनमें बीजेपी के 14 और जदयू के 8 मंत्री शामिल हैं। नए मंत्रियों में एक मुस्लिम, तीन महिलाएं और तीन नए विधायक भी शामिल हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा व एनडीए के कई अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए। इस कार्यक्रम में एनडीए शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हुए। बुधवार को नीतीश कुमार ने बिहार के सीएम पद से इस्तीफा दे दिया और फिर नई सरकार बनाने के लिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के सामने दावा पेश किया था। नई बनी विधानसभा का तीन दिन का सेशन 26 नवंबर से शुरू होगा जिसमें स्पीकर और डिप्टी स्पीकर चुने जाएंगे और नए सदस्य शपथ लेंगे। जिक्रयोग्य है कि बिहार में एनडीए ने 243 सदस्यों वाली विधानसभा में 202 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की जिसमें बीजेपी को 89, जेडी(यू) को 85, एलजेपी(आरवी) को 19, एचएएम (एस)

को 5 और आरएलएम को 4 सीटें मिलीं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर नीतीश कुमार को बधाई दी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार एक कुशल और अनुभवी प्रशासक हैं और कई वर्षों से सुशासन का उनका शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने उन्हें नए कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को बिहार के उप-मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के पास जनसेवा का लंबा अनुभव है और उन्होंने जमीनी स्तर पर व्यापक रूप से काम किया है। प्रधानमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मोदी ने बिहार सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने वाले सभी लोगों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह समर्पित नेताओं की एक ऐसी शानदार टीम है जो बिहार को नई

लुधियाना में बीकेआई के दो आतंकियों का एनकाउंटर

लुधियाना. लुधियाना में पुलिस और आंतकियों के बीच दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाईवे पर लाडोवाल टोल प्लाजा के पास मुठभेड़ हुई। पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा द्वारा बताया गया कि पुलिस ने एक दिन पहले कुछ आतंकियों को हैंड ग्रेनेड के साथ पकड़ा था। पूछताछ के बाद इन आतंकियों के बारे में पता चला जिसके बाद पुलिस ने इन्हें पकड़ने के लिए ट्रैप लगाया था। पुलिस के जब घेराव किया तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी और पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें गोली लगने से दो आतंकी घायल हो गए। इनमें से एक को तीन गोलियां लगी है जिसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि हमने पहले ही

एक टेरर मॉडयूल का भंडाफोड़ किया और तीन लोगों को पकड़ा। गुरुवार को बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) संगठन के दो आतंकियों का इनपुट था जो आईएसआई के इशारे पर काम कर रहे थे। हमने घेराबंदी की और मुठभेड़ में दोनों संदिग्ध गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। लुधियाना एनकाउंटर से इलाका छावनी में तब्दील हो गया। पुलिस का कहना है कि ये एक टेरर मॉड्यूल था जो पाकिस्तान आईएसआई के सपोर्ट से चल रहा था। इन्होंने कोई बड़ी वारदात करनी थी।

वेव्स फिल्म बाज़ार उत्सवपूर्ण उद्घाटन समारोह के साथ गोवा में आरंभ

गोआ. दक्षिण एशिया का वैश्विक फिल्म बाज़ार वेव्स फिल्म बाज़ार गुरुवार को गोवा के पंजिम स्थित मैरियट रिज़ॉर्ट में एक प्रेरणादायक उद्घाटन समारोह के साथ आरंभ हुआ जिसमें नेताओं, नीति निर्धारकों, फिल्म निर्माताओं और वैश्विक प्रतिनिधियों की विशिष्ट उपस्थिति रही। प्रतिष्ठित भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के साथ प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले बाज़ार के 19वें संस्करण को अब वेव्स फिल्म बाज़ार के रूप में फिर से ब्रांडिंग की गई हैं। रचनात्मक और वित्तीय साझेदारी चाहने

वाले फिल्मकारों, निर्माताओं, बिक्री एजेंटों, फेस्टिवल प्रोग्रामरों और वितरकों के लिए यह एक वैश्विक मिलन स्थल के रूप में कार्य करता है। यह बाज़ार 20 से 24 नवंबर तक चलेगा।

सूचना एवं प्रसारण सचिव संजय जाजू ने अपने उद्घाटन भाषण में, वेव्स फिल्म बाज़ार को आईएफएफआई समारोह की स्वाभाविक और उपयुक्त शुरुआत बताया। उन्होंने इसे "स्क्रीनिंग, मास्टरक्लास और तकनीकी प्रदर्शनियों का एक संपूर्ण इकोसिस्टम" बताया और इस बात पर बल दिया कि वेव्स की नई पहचान प्रधानमंत्री के "कला को वाणिज्य में बदलने" के विजन के अनुरूप है।

दिल्ली ब्लास्ट केस में 4 और आरोपी काबू, एनआईए ने जम्मू-कश्मीर से हिरासत में लिए

नई दिल्ली. राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए विस्फोट के चार और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिससे गिरफ्तारियों की कुल संख्या छह हो गई है। पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा जारी पेशी आदेश पर चारों आरोपियों को जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में हिरासत में लिया गया। इनकी पहचान जम्मू-कश्मीर के पुलवामा निवासी डॉ. मुज़म्मिल शकील गनई, जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग निवासी डॉ. अदील अहमद राथर, उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी डॉ. शाहीन सईद और जम्मू-कश्मीर के शोपियां निवासी मुफ्ती इरफान अहमद वागे के रूप में हुई है। एजेंसी के अनुसार, इन सभी ने इस हमले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी जिसमें कई लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।

इससे पहले, एजेंसी ने दो अन्य आरोपियों, आमिर राशिद अली जिसके नाम पर विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार पंजीकृत थी और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश जिसने हमले में शामिल आतंकवादी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी को गिरफ्तार किया था। मामले की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के प्रयासों के तहत उनसे पूछताछ जारी है। घटना के तुरंत बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जाँच एजेंसी को सौंप दी थी। एजेंसी विभिन्न राज्य पुलिस बलों के साथ मिलकर हमले के लिए ज़िम्मेदार समूह के प्रत्येक सदस्य का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए काम कर रही है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सरकार ने किए पुख्ता प्रबंध : मुख्य सचिव

• **जालंधर ब्रीज.** श्री आनंदपुर साहिब

नौवें पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी की अद्वितीय शहादत को समर्पित 350वीं शहीदी शताब्दी समागमों के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए पंजाब सरकार द्वारा पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मुख्य सचिव केएपी सिन्हा और डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस गौरव यादव ने आज समागमों की तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को हिदायत दी कि कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी अधिकारी सेवा भावना से काम करें और श्रद्धालुओं को पूरी सुविधा प्रदान करना अपनी प्राथमिकता बनाएं। मुख्य सचिव ने बताया कि 22 नवंबर को चार अलौकिक नगर कीर्तन श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेंगे, जबकि 23 नवंबर को गुरु का बाग बुड्ढा दल छावनी में श्री अखंड पाठ साहिब शुरू होंगे। 23 नवंबर को होने वाले सर्व धर्म सम्मेलन में देश-विदेश की प्रमुख धार्मिक हस्तियां और संत महापुरुष शिरकत करेंगे। उन्होंने बताया कि 24 नवंबर को भाई जैता जी मेमोरियल में पंजाब विधान सभा का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को श्री अखंड पाठ साहिब के भोग डाले जाएंगे। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान भी विभिन्न धार्मिक समागमों में शिरकत करेंगे।

मुख्य सचिव ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए टेंट सिटी में लगभग 10 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने का प्रबंध किया गया है।

पंजाब विधान सभा स्पीकर ने नवनिर्वाचित विधायक हरमीत सिंह संधू को शपथ दिलाई

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधान सभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने पंजाब विधान सभा सचिवालय में तरनतारन विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक हरमीत सिंह संधू को पद की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि हरमीत सिंह संधू अपने क्षेत्र की जनता की जायज मांगों को पूरा करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे।

संधू ने शपथ ली कि वे विधि द्वारा स्थापित भारत के संविधान के प्रति सच्ची श्रद्धा और निष्ठा रखेंगे तथा भारत की प्रभुता और अखंडता अक्षुण्ण बनाए रखेंगे। उन्हें सौंपे गए कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक और शुद्ध अंतःकरण से पालन करेंगे तथा अपने क्षेत्र की भलाई के लिए कोई कोर-कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे। स्पीकर ने हाल ही में तरनतारन विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले विधायक हरमीत सिंह संधू को अपनी शुभकामनाएं भी दीं।

ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा के विरुद्ध दायर किया नया आरोपपत्र

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ब्रिटेन स्थित रक्षा डीलर संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन के एक मामले में व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक नया आरोपपत्र दायर किया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति वाड्रा तीन अलग-अलग धन शोधन मामलों में ईडी की नज़र में हैं, जिनमें से दो हरियाणा और राजस्थान में भूमि सौदों में कथित अनियमितताओं से संबंधित हैं। अप्रैल में, 2008 के हरियाणा भूमि सौदे के सिलसिले में उनसे लगातार तीन दिनों तक पूछताछ की गई थी। एक अन्य मामला बीकानेर में एक भूमि सौदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है। यह मामला 2023 के आरोपपत्र में दर्ज ईडी के निष्कर्षों से संबंधित है जिसमें आरोप लगाया गया कि संजय भंडारी ने 2009 में लंदन में 12, ब्रायनस्टन स्क्वायर में एक संपत्ति अर्जित की और इसका 'वाड्रा के निर्देशों के अनुसार नवीनीकरण कराया और धन रॉबर्ट वाड्रा द्वारा दिया गया।'

पंजाब यूनिवर्सिटी मुद्दे पर अकाली दल के दोहरे चरित्र का पर्दाफाश: बलतेज पन्नू

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर शिरोमणि अकाली दल (बादल) पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर दोहरे मापदंड अपनाने का आरोप लगाया है। 'आप' पंजाब के वरिष्ठ नेता और महासचिव बलतेज पन्नू ने कहा

कि अकाली दल अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन तलाशने के लिए पंजाब यूनिवर्सिटी जैसे संवेदनशील मुद्दे पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है। बलतेज पन्नू ने सुखबीर बादल के हालिया बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि पिछले दिनों सुखबीर बादल ने यूनिवर्सिटी जाकर दावा किया था कि अकाली दल इस संस्थान को बचाने की लड़ाई लड़ेगा। उनके इस दावे को हास्यास्पद बताते हुए पन्नू ने एक पुरानी सरकारी चिट्ठी का हवाला दिया और बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि अकाली दल की सरकार के समय ही लिखित रूप में 'नो ऑब्जेक्शन' (अनापत्ति) दिया गया था कि अगर पंजाब यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी में बदला जाता है, तो पंजाब सरकार को कोई एतराज नहीं होगा।

राजकोषीय नीति से पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र को मिला बढ़ावा

कम टैक्स, अधिक भरोसा और किफायती यात्रा में बढ़ोतरी सभी भारतीयों के अपने देश को जानने-समझने के तरीके को फिर से तय कर रहे हैं

जालंधर ब्रीज. भारत में पर्यटन हमेशा घूमने-फिरने से कहीं ज़्यादा रहा है: यह संस्कृतियों के बीच संवाद है, प्रदेशों के बीच एक पुल है और लाखों लोगों के लिए आजीविका का साधन है। फिर भी, दशकों तक, पर्यटन क्षेत्र पर अलग-अलग टैक्स, ज़्यादा लागत और असमान विकास का बोझ रहा। हालाँकि, हाल ही में पेश की गई वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की पुनर्संरचना इस गाथा को फिर से लिखने में मदद कर रही है। होटल, परिवहन और सांस्कृतिक वस्तुओं की कम दर के कारण भारत के पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र के विकास बहुत बढ़ावा मिला है। इससे भी ज़रूरी बात यह है कि इसने आम यात्री को मज़बूत बनाया है, उनकी जेब में ज़्यादा पैसे आए हैं तथा इससे घूमने-फिरने, व्यवसाय और चिकित्सा पर्यटन पहले से कहीं ज़्यादा सस्ते हो गये हैं। सालों से, यात्रा ऑपरेटर, होटल और परिवहन सुविधा प्रदाता कई करों, जैसे सेवा कर, वैट और लग्ज़री कर के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता था; जो सभी राज्यों में अलग-अलग होता था। 2017 में जीएसटी आने से कुछ स्पष्टता आई, लेकिन 2025 का सुधार और आगे बढ़ गया है, जिसने सरलीकरण को प्रोत्साहन में बदल दिया है। 7,500 रुपये से कम कीमत वाले होटल के कमरों पर जीएसटी को 12% से घटाकर 5% करना परिवर्तनकारी साबित हो रहा है। जैसा कि एक बड़े अखबार के लेख में बताया गया है, इस कदम से मध्य आय-वर्ग के परिवारों और बजट यात्रियों- जो भारत के घरेलू पर्यटन का आधार हैं- के लिए यात्रा काफी सस्ती हो गयी है। इसके अलावा, यह विदेशी यात्रियों के लिए भी काफी सुगम होगा, क्योंकि यात्रा लागतें अब दूसरे देशों के मुकाबले ज़्यादा प्रतिस्पर्धी हो गई हैं।

ज्ञान भूषण
(वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार, पर्यटन मंत्रालय और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राष्ट्रीय होटल प्रबंधन एवं खानपान प्रौद्योगिकी परिषद)

डॉ. प्रतीक घोष
(विभागाध्यक्ष, डॉ. अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, चंडीगढ़)

होटल और होमस्टे ज़्यादा बुकिंग, ज़्यादा समय तक रुकने और ज़्यादा स्थानीय खर्च की रिपोर्ट दे रहे हैं। छोटे उद्यमियों और होमस्टे मालिकों के लिए, कम अनुपालन लागत और एक जैसे टैक्स फ्रेमवर्क ने व्यवसाय व्यावहारिकता को बेहतर बनाया है और औपचारिक क्षेत्र को बढ़ावा दिया है, जो पैमाने और स्थायित्व की ओर एक शांत लेकिन शक्तिशाली बदलाव है।

पर्यटन, परिवहन संपर्क-सुविधा पर फलता-फूलता है। इसीलिए यात्री परिवहन, खासकर 10 से ज़्यादा सीटों वाली बसों पर जीएसटी में 28% से 18% की कटौती, एक और गेम चेंजर है। इससे पता चलता है कि इस कदम ने तीर्थयात्रियों, छात्रों और परिवारों के लिए अंतर-शहरीय और समूह यात्रा को किस प्रकार ज़्यादा आसान बना दिया है। धार्मिक क्षेत्र से लेकर इको-पर्यटन पार्क और ग्रामीण इलाकों में घूमने की जगहों तक, किफायती आवागमन ने यात्रा को आसान बनाया है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया है।

एक ऐसे देश में, जहाँ पर्यटन क्षेत्रीय समानता के लिए एक माध्यम के रूप में कार्य करता है, वहाँ बस किराये में हुई हर बचत सशक्तिकरण का एक ज़रिया बन जाती है। सस्ते और स्वच्छ परिवहन विकल्प न सिर्फ़ पहुँच बढ़ाते हैं बल्कि प्राइवेट गाड़ियों के बजाय साझा यात्रा को बढ़ावा देकर भारत के सतत विकास लक्ष्यों में भी योगदान देते हैं। भारत की अपील सिर्फ़ उसके परिदृश्यों या स्मारकों में ही नहीं, बल्कि उसकी जीती-जागती परंपराओं में भी मौजूद है। इसे मान्यता देते हुए, सरकार ने कला और हस्तशिल्प उत्पादों पर भी जीएसटी को 12% से घटाकर 5% कर दिया। हाथ से बुनी हर कांचीपुरम साड़ी, नक्काशीदार चंदन की मूर्ति, या टेराकोटा लैंप एक कहानी कहता है और अब, हर एक शिल्प उत्पाद को सही दामों पर खरीदा जा सकता है। यहां टैक्स कम करना सिर्फ़ एक आर्थिक इशारा नहीं है। यह एक सांस्कृतिक निवेश है। यह उस विविधता को बनाए रखता है, जो भारतीय पर्यटन की आत्मा है, साथ ही यह शिल्पकारों, जिनमें से कई महिलाएं और ग्रामीण उद्यमी हैं, को आजीविका का स्थायी साधन देता है।

जीएसटी के सबसे लंबे समय तक चलने वाले फायदों में से एक है- स्पष्टता और सही अनुमान। छोटे होटल, यात्रा ऑपरेटर और यात्रा एजेंसियां अब राज्य-विशेष टैक्स को समझने के बजाय एक ही राष्ट्रीय टैक्स फ्रेमवर्क के तहत काम करती हैं। संगठित क्षेत्र बनने के प्रति यह भरोसा ऋण, बीमा और डिजिटल भुगतान प्रणाली के दरवाज़े खोलता है जो उन छोटे व्यवसायों के लिए जीवनरेखा है, जो कभी असंगठित तरीके से चलते थे। यह निवेशकों और उद्यमियों के बीच भरोसा भी बढ़ाता है, जिससे इको-लॉज और हेरिटेज स्टे से लेकर आरोग्य स्थल तक, यात्रा अनुभव में नवाचार होता है। जीएसटी रेट में बदलाव, सिर्फ़ कागज़ पर लिखी संख्या के बारे में नहीं है। यह सशक्तिकरण के दर्शन को प्रतिबिंबित करता है कि हर नागरिक को भारत के व्यापक सांस्कृतिक परिदृश्य में यात्रा करने, सीखने और जुड़ने में सक्षम होना चाहिए। पर्यटन को ज़्यादा किफायती, आवागमन को ज़्यादा समावेशी, और उद्यम को ज़्यादा व्यावहारिक बनाकर, ये सुधार अर्थव्यवस्था को लोगों के करीब लाते हैं। ये स्थानीय विरासत से जुड़े रहते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धा के प्रति भारत की तैयारी का भी संकेत देते हैं। यात्री के लिए, इसका मतलब है ज़्यादा छुट्टियां और बेहतर अनुभव। उद्यमी के लिए, इसका मतलब है ज़्यादा अवसर। भारत के लिए, इसका मतलब है, ऐसी प्रगति जो व्यक्तिगत लगे, जहाँ हर सफ़र एक ज़्यादा जीवंत, समान और भरोसेमंद देश की ओर एक कदम बन जाए।

(इस लेख में व्यक्त विचार लेखकों की निजी राय हैं)

रील और रियल लाइफ का संगम, ये शहर आपको देंगे फिल्मों सा भव्य अनुभव

Travelling

दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जहां पर जाते ही आपको ऐसा लगेगा कि आप किसी फिल्मी दुनिया में आ गए हैं। यहां की इमारतें, गलियां, कैफे और लोग सब मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं, जो आपको पूरी जिंदगी याद रहते हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

घूमने-फिरने का शौक तो हर किसी को होता है। हर कोई ऐसी जगहों पर जाना चाहता है, जहां पर वह ढेरों यादगार पलों को इकट्ठा कर सकें। वहीं कुछ खास पलों को खुलकर एंजॉय कर सकें। दुनिया भर में कई ऐसे शहर हैं, जो किसी फिल्मी दुनिया से कम नहीं लगते हैं। इन जगहों पर जाते ही आपको ऐसा लगेगा कि आप किसी फिल्मी दुनिया में आ गए हैं। यहां की इमारतें, गलियां, कैफे और लोग सब मिलकर ऐसा माहौल बनाते हैं, जो आपको पूरी जिंदगी याद रहते हैं। वहीं फोटोग्राफी के लिहाज से भी यह जगहें बेस्ट हैं। अगर आप भी ऐसी जगहों की तलाश में हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं।

जयपुर - अगर भारत में कोई ऐसी जगह है, जो फिल्मी दुनिया का एहसास कराती है। यह राजस्थान का गुलाबी शहर जयपुर है। जयपुर शहर इतिहास, रंगों और रॉयल लुक से भरपूर है। यहां के किले, महल और हवेलियां में आपको बीते वक्त की झलक देखने को मिलेगी। इसके साथ ही रंग-बिरंगे कपड़े, भीड़-भाड़ वाले बाजार, मसाले और हस्तशिल्प हर गली को खास बनाते हैं। आपको जयपुर में सब कुछ गुलाबी देखने को मिलेगा। गुलाबी रंग की इमारतें और पारंपरिक डिजाइन इस शहर को वाकई फिल्मी एहसास देते हैं।

वेनिस - वैसे तो वेनिस एकदम सपनों का शहर लगता है और यहां का नजारा भी काफी ज्यादा रोमांटिक होता है। आप यहां पर गोंडाला राइड करते समय डूबते हुए सूरज का शानदार नजारा देख सकते हैं। वहीं पानी में झलकती इमारतों को देखना किसी फिल्म जैसा अनुभव होता है।

सेंटोरिनी (ग्रीस) - सफेद रंग के घर, नीले गुंबद वाले चर्च और समुद्र के किनारे बसा सेंटोरिनी शहर किसी रोमांटिक फिल्म की शूटिंग जैसा लगता है। सेंटोरिनी में सनसेट का नजारा काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है और यह शहर नेचुरल

ब्यूटी का जीता जागता उदाहरण है।

रोम (इटली) - जब भी खूबसूरत शहरों की बात होती है, तो सबसे पहले इटली का नाम लिया जाता है।
इटली में कई फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। इटली का रोम शहर अपने आप बेहद शानदार है। ट्रेवी फाउंटेन, कोलोसियम और पुरानी गलियों वाला रोम हर एक पल को खास और फिल्मी बना देता है। यहां की ऐतिहासिक इमारतें भी किसी टाइम ट्रैवल का एक्सपीरियंस कराती हैं।

पेरिस - लोग पेरिस को 'City Of Love' कहते हैं। इस शहर की खूबसूरती आपको हर गली-नुक्कड़ पर देखने को मिलती है। पेरिस की सीन नदी, एफिल टॉवर और पुराने पुल जैसे किसी फिल्म का सीन लगते हैं। पेरिस के छोटे-छोटे कैफे, शांत गलियां और सड़क पर कला दिखाते कलाकार हर पल को खास बना देते हैं।

दुबई - बता दें कि दुबई एक ऐसी जगह है, जहां पर जाने का सपना हर भारतीय का होता है। यहां की ऊंची इमारतें, चमकते मॉल और बुर्ज खलीफा

इसको पूरी तरह से मॉर्डन फिल्म सेट जैसा बनाते हैं। रात की रोशनी और रेगिस्तान सफारी दुबई का यूनिक कॉम्बिनेशन है।

FITNESS

तनाव बना रहा आपको बूढ़ा! कोर्टिसोल छीन रहा बालों की चमक, त्वचा की रौनक और जोड़ों का आराम

तनाव सिर्फ मानसिक नहीं बल्कि शारीरिक स्वास्थ्य को भी गहरा प्रभावित करता है; हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, बढ़ते तनाव से कोर्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ता है जो त्वचा की झुर्रियों, बालों के झड़ने और जोड़ों के दर्द व सूजन का मुख्य कारण बनता है। यह हानिकारक हार्मोन कोलेजन घटाकर और सूजन बढ़ाकर शरीर के प्राकृतिक संतुलन को बिगाड़ देता है, जिससे एक्ने से लेकर आर्थराइटिस तक कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।

• **जालंधर ब्रीज .** फीचर

तनाव हमारे दिमाग पर असर डलता है, बल्कि यह शरीर पर भी असर डलता है और आपके चेहरे, बालों और यहां तक की हड्डियों पर भी बुरा असर डलता है। कई बार स्ट्रेस के कारण चेहरे पर झुर्रियां और मुहांसे दिखने लगते हैं। बाल झड़ने की समस्या और जोड़ों में सूजन या दर्द की समस्या को बढ़ा देता है। आइए आपको बताते हैं तनाव बढ़ने पर शरीर में क्या-क्या होता है।

तनाव बढ़ने से शरीर में क्या होता है?

हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया है कि स्ट्रेस लेने से शरीर में कोर्टिसोल नाम का हार्मोन बढ़ने लगता है। यह शरीर को फाइट या फ्लाइट मोड में ले आता है, यह शरीर किसी भी खतरे से निपटने के लिए तैयार रहता है, लेकिन अगर ये हार्मोन लंबे समय तक बढ़ा रहे, तो ये शरीर के लिए हानिकारक बन जाता है। बता दें कि, कोर्टिसोल का बढ़ा हुआ लेवल शरीर के नेचुरल बैलेंस को बिगाड़ देता है। इससे स्किन, बाल और जोड़ों पर सीधा असर होता है।

स्ट्रेस से त्वचा पर पड़ता है ये असर

स्ट्रेस के कारण चेहरे पर एक्ने या एक्जिमा जैसी स्किन प्रॉब्लम्स देखने को मिलती है, क्योंकि कोर्टिसोल से शरीर में सूजन बढ़ जाती है। तनाव के कारण त्वचा की कोलेजन की मात्रा कम हो जाती है, जिससे झुर्रियां और फाइन लाइन्स जल्दी नजर आने लगती है। तनाव के कारण नींद की कमी और डिहाइड्रेशन का शिकार होना पड़ता है, जिससे त्वचा बेजान और थकी हुई नजर आती है।

तनाव से बाल झड़ते हैं

तनाव के बढ़ने से ब्लड सर्कुलेशन ढंग से नहीं होता है और बालों को पोषण नहीं मिलता है। जिससे बाल भी झड़ने लगते हैं, पतले हो जाते हैं और कई बार सफेद हो जाते हैं। इन्हीं वजहों से बाल झड़ने लगते हैं।

जोड़ों पर असर पड़ता है

तनाव के कारण शरीर में सूजन बढ़ाता है। इससे जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द या अकड़न की समस्या होती है। अगर आप लंबे समय से तनाव में है, तो आपके घुटने, पीठ और कंधों में दर्द होना आम बात है। कुछ मामलों में ये आर्थराइटिस जैसी समस्या को बढ़ा सकती है।

तनाव से कैसे बचें

- स्ट्रेस को कम करने के लिए कम से कम 8 घंटे की नींद जरुर लें।
- हेल्दी और संतुलित आहार लें।
- दिन में कुछ समय के लिए एक्सरसाइज, योग व गहरी सांस लेने की प्रैक्टिस कर सकते हैं।
- खुद के लिए समय जरुर निकालें।
- परिवार या दोस्तों से बात करें, ऐसा करने से आप कम सोच पाएंगे, बातें करने से स्ट्रेस कम होता है।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सर्दियों की स्पेशल रेसिपी : मूली की चटनी स्वाद और सेहत का परफेक्ट कॉम्बो

मूली सर्दियों की सबसे पौष्टिक सब्ज़ियों में से एक मानी जाती है और इसकी बनी चटनी ना सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाती है बल्कि पाचन को भी बेहतर बनाती है। यहां जानें इसकी झटपट रेसिपी-

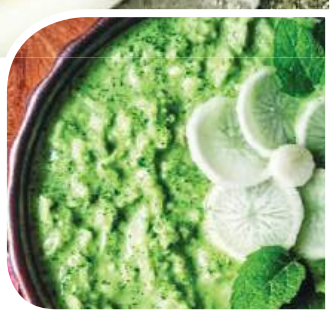

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

सर्दियों में घर-घर ताजी मूली आसानी से मिल जाती है और इसी कारण इन दिनों मूली की चटनी एक बार फिर चर्चाओं में है। पारंपरिक भारतीय रेसिपी होने के बावजूद यह काफी हल्की, स्वादिष्ट और पाचक मानी जाती है।

लोग इसे पराठों, इडली, दाल-चावल और स्नैक्स के साथ भी खूब पसंद कर रहे हैं। इसका ताजा, तीखा और हल्का-सा खट्टा स्वाद हर भोजन में नया ट्विस्ट जोड़ देता है। यह चटनी स्वाद और स्वास्थ्य का शानदार मेल है- तेजी से बनती है, सामग्री घर में उपलब्ध रहती है और हर उम्र के लोगों को पसंद आती है।

आवश्यक सामग्री

- 1 कप कद्दूकस की हुई मूली
- ½ कप मूली के पत्ते (वैकल्पिक)
- 1-2 हरी मिर्च, 1 छोटा टुकड़ा अदरक
- ½ कप ताजा हरा धनिया
- 1-2 चम्मच नींबू रस
- 1 चम्मच जीरा
- 1-2 चम्मच दही (वैकल्पिक
- स्वाद बढ़ाने के लिए)
- नमक स्वादानुसार

कैसे बनती है मूली की चटनी?

- सबसे पहले मूली को कद्दूकस कर लें और इसका अतिरिक्त पानी हल्के हाथ से निचोड़ लें।
- अब मिक्सर जार में मूली, मूली के पत्ते, हरी मिर्च, अदरक और हरा धनिया डालें।
- इसमें जीरा, नमक और नींबू रस मिलाएं। चाहें तो दही भी डाल सकते हैं।
- सभी चीजों को दरदरा या स्मूद, अपनी पसंद के अनुसार पीस लें।
- तैयार चटनी को एक बाउल में निकालें और 10 मिनट तक सेट होने दें ताकि फ्लेवर अच्छी तरह मिल जाए।

PARENTING

क्या होती है प्रीकोशियस प्यूबर्टी? एक्सपर्ट्स ने बताएं खतरे और बचाव के उपाय

जालंधर ब्रीज (फीचर) . आजकल बच्चों में समय से पहले प्यूबर्टी (यौवन) के लक्षण, जिसे मेडिकल भाषा में प्रीकोशियस प्यूबर्टी (असामयिक यौवन) कहते हैं, बढ़ रहे हैं। इस स्थिति में लड़कियों में 8 साल से पहले और लड़कों में 9 साल से पहले शारीरिक और हार्मोनल बदलाव शुरू हो जाते हैं। पहले के समय में यह समस्या बहुत कम देखी जाती थी, लेकिन आज यह समस्या पेरेंट्स के लिए चिंता का विषय बन गई है।

प्रीकोशियस प्यूबर्टी के लिए जिम्मेदार कारण : प्रीकोशियस प्यूबर्टी के पीछे कई वजहें जिम्मेदार हो सकती हैं जैसे- बच्चों में बढ़ता मोटापा, प्लास्टिक और प्रोसेस्ड खाने में पाए जाने वाले कुछ ऐसे केमिकल्स, जो हार्मोन को प्रभावित करते हैं, और लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे गलत खान-पान, कम शारीरिक एक्टिविटी, और नींद की कमी। इसके अलावा बच्चों का जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम, जो स्ट्रेस का कारण बनकर उनका बाहर खेलना कम करता है जैसे कारण मिलकर शरीर के हार्मोनल संतुलन को बिगाड़ देते हैं।

पीडियाट्रिशन कहती हैं कि बच्चों में जल्दी प्यूबर्टी आने का बढ़ता ट्रेंड अब माता-पिता और डॉक्टरों दोनों के लिए चिंता का विषय बन गया है। सिर्फ जेनेटिक या लाइफस्टाइल ही नहीं, बल्कि कई छिपे हुए कारण भी इस बदलाव में भूमिका निभा रहे हैं। ज्यादा स्क्रीन टाइम और बिगड़ी हुई नींद अब हार्मोनल बैलेंस को प्रभावित करने वाले अहम कारण माने जा रहे हैं। आज के बच्चे पढ़ाई के दबाव और सोशल मीडिया के जल्दी एक्सपोजर की वजह से ज्यादा स्ट्रेस में रहते हैं, जो हार्मोनल बदलाव को तेज कर सकता है। इसके अलावा, कॉस्मेटिक्स, पैक्ड फूड और घर में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक जैसे सामानों में मौजूद केमिकल्स भी शरीर के हार्मोन रेगुलेशन पर असर डाल सकते हैं। जल्दी प्यूबर्टी आने से बच्चे के शरीर में बदलाव तो होते ही हैं, साथ ही उसे मूड स्विंग्स, अपने शरीर को लेकर झिझक, और साथियों के दबाव जैसी भावनात्मक चुनौतियों से भी गुजरना पड़ सकता है।

डिस्क्लेमर : *इस लेख में दी गई सूचना पूरी तरह सोशल मीडिया रील पर आधारित है। जालंधर ब्रीज इसकी सत्यता और सटीकता की जिम्मेदारी नहीं लेता है।*

थकान, कमजोरी और इम्यूनिटी के लिए फायदेमंद- मोरिंगा ड्रिंक

Health

मोरिंगा को 'सुपरफूड' कहा जाता है क्योंकि इसकी पत्तियों में प्रोटीन, कैल्शियम, पोटैशियम, आयरन, विटामिन A, C और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। मोरिंगा से बना ड्रिंक...

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

सहजन की पत्तियों (Moringa Leaves) से तैयार होने वाला मोरिंगा ड्रिंक इन दिनों स्वास्थ्य जगत में चर्चा का बड़ा विषय बना हुआ है। इसे सुपरफूड इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, पोटैशियम, विटामिन A, B, C और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट्स की भरपूर मात्रा होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, रोजाना मोरिंगा ड्रिंक का सेवन शरीर को तेजी से ऊर्जा देता है और इम्यूनिटी को मजबूत बनाता है। इसे हर उम्र का व्यक्ति अपनी डाइट में शामिल कर सकता है- बशर्ते उचित मात्रा में इसका सेवन किया जाए।

इम्यूनिटी बढ़ाने में बेहद कारगर- मोरिंगा ड्रिंक में मौजूद विटामिन C और एंटीऑक्सीडेंट्स संक्रमण और वायरल बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाते हैं। मौसम बदलने पर यह शरीर की सुरक्षा ढाल को मजबूत रखने में मदद करता है।

शरीर को करता है डिटॉक्स- यह ड्रिंक लिवर को साफ करता है, टॉक्सिन्स बाहर निकालता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। कई लोग इसे सुबह खाली पेट पीने की सलाह देते हैं जिससे पाचन और त्वचा दोनों पर अच्छा असर दिखता है।

एनर्जी और कमजोरी में राहत- मोरिंगा प्राकृतिक रूप से आयरन का बेहतरीन स्रोत है जो एनीमिया, थकान और कमजोरी जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करता है। इसके मिनरल्स हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं।

ब्लड शुगर कंट्रोल में मददगार- इसमें मौजूद क्लोरोजेनिक एसिड ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है, इसलिए डायबिटीज मैनेजमेंट में इसे उपयोगी माना जाता है।

वजन घटाने में सहायक- मोरिंगा ड्रिंक मेटाबॉलिज़्म को तेज करता है, भूख को नियंत्रित करता है और फैट बर्निंग को बढ़ाता है। नियमित सेवन वजन घटाने के प्रयास में सहायक हो सकता है।

त्वचा और बालों के लिए भी फायदेमंद- एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को ग्लोइंग बनाते हैं, झुर्रियों को कम करते हैं और बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

कैसे बनाएं? मोरिंगा ड्रिंक बनाने के लिए 1 चम्मच मोरिंगा पाउडर को एक गिलास गर्म पानी में मिलाएं। चाहें तो कुछ बूंदें नींबू रस भी डालें। ताजी पत्तियों से बनाने के लिए इन्हें पानी के साथ ब्लेंड कर छान लें। इसे सुबह खाली पेट पीने से अधिक लाभ मिलता है।

डिस्क्लेमर : *यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।*

भारत की श्रम संहिताएं और महिला श्रमिक : अपेक्षाकृत अधिक समावेशी और लैंगिक रूप से संवेदनशील अर्थव्यवस्था की ओर

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता के बीच, भारत की नई श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन घरेलू लचीलेपन को मजबूत करने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण मौका है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करना न केवल मैन्यूफैक्चरिंग या तकनीकी क्षमता का विस्तार, बल्कि समावेशी एवं सुदृढ़ संस्थानों के निर्माण पर भी निर्भर करेगा। सच्ची आत्मनिर्भरता एक ऐसी अर्थव्यवस्था के निर्माण में निहित है जहां प्रत्येक नागरिक, विशेषकर महिलाएं, देश की विकास गाथा में सार्थक रूप से भाग ले सकें।

भारत ने इस दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं का श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) 2017-18 में 22.0 प्रतिशत से बढ़कर 40.3 प्रतिशत हो गया है। जबकि, इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 41.7 प्रतिशत हो गई है। ये आंकड़े श्रम बाजार में भागीदारी के मामले में व्याप्त लैंगिक अंतर में आई उल्लेखनीय कमी को दर्शाते हैं तथा व्यापक आर्थिक समावेशन की दिशा में सकारात्मक बदलाव की ओर भी इशारा करते हैं। फिर भी, महिलाओं का एक बड़ा हिस्सा श्रमबल से बाहर है और जो महिलाएं कार्यरत हैं भी, उनमें से कई उन अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं जहां उन्हें कम वेतन, नौकरी की सीमित सुरक्षा और न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा की समस्या से जूझना पड़ रहा है। कृषि एवं घरेलू काम से लेकर घर-आधारित उद्यमों और गिग प्लेटफॉर्म तक, अनौपचारिक रोजगार अक्सर नाजुक आर्थिक स्थिति और असमानता को मजबूत करता है।

इस संदर्भ में, भारत के श्रम कानूनों को हाल ही में चार व्यापक संहिताओं में संहिताबद्ध किया जाना इन कमियों को दूर करने का एक अनूठा मौका है। औपचारिकीकरण, संरक्षण और समान पहुंच पर ध्यान केन्द्रित करके, इन सुधारों का उद्देश्य अपेक्षाकृत अधिक समावेशी और सुदृढ़ श्रम बाजार की नींव रखना है। इस प्रयास में भारत अकेला नहीं है। वियतनाम, इंडोनेशिया, मिस्र और मैक्सिको सहित कई विकासशील देशों ने महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से श्रम कानूनों में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। इनमें मातृत्व संबंधी लाभ का विस्तार करना तथा स्वैच्छिक सहमति, सुरक्षित परिवहन, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, महिला पर्यवेक्षण एवं उत्पीड़न-विरोधी ठोस सुरक्षा जैसे सुरक्षात्मक उपायों के तहत महिलाओं को रात्रि पाली में काम करने की अनुमति देना शामिल है। ऐसे उपाय सिर्फ रोजगार को ही संभव बनाने से जुड़े नहीं हैं, बल्कि इनका जुड़ाव महिलाओं की गरिमा, स्वायत्तता और आर्थिक प्रगति में समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करने से भी है।

अब जबकि भारत आत्मनिर्भरता और सतत विकास की दिशा में अपनी यात्रा जारी रखे हुए है, एक सच्ची समावेशी एवं न्यायसंगत अर्थव्यवस्था के निर्माण के लिए महिलाओं को नीति और श्रम सुधार के केन्द्र में रखना अहम होगा। इन संहिताओं में निहित अनेक प्रावधानों में से कई, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी एवं सशक्तिकरण की दृष्टि से विशेष महत्व रखते हैं। इन सुधारों का उद्देश्य कार्यस्थलों को अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, अधिक लचीला और अधिक न्यायसंगत बनाना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं पुरुषों के साथ समान स्तर पर अर्थव्यवस्था में भाग लें और उसका लाभ उठा सकें।

वेतन और कामकाज की स्थितियों में लिंग-आधारित भेदभाव की समाप्ति : भारत के श्रम सुधार, विशेष रूप से वेतन संहिता (2019) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता, 2020 का उद्देश्य वेतन तथा कामकाज की स्थितियों में लंबे समय से चले आ रहे और श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी को सीधे प्रभावित करने वाले लिंग-आधारित भेदभाव से निपटना है।

वेतन संहिता (2019) भर्ती और वेतन में लिंग-आधारित भेदभाव को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करके "समान कार्य के लिए समान वेतन" के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह संहिता संगठित और असंगठित, दोनों क्षेत्रों में न्यूनतम वेतन कवरेज को सार्वभौमिक बनाती है। यह प्रावधान कम वेतन वाले अनौपचारिक पेशों में कार्यरत महिलाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उन्हें एक बुनियादी स्तर की आय संबंधी सुरक्षा सुनिश्चित करता है। इसके

उमा मेय्यप्पन
(अध्यक्ष - नगरत्तर चैंबर ऑफ कॉमर्स, चेन्नई)

अलावा, एक राष्ट्रीय फ्लोर वेज ढांचे की शुरुआत उचित वेतन के लिए मोल-भाव करने की महिला श्रमिकों की क्षमता को मजबूत करती है और साथ ही वेतन के स्तरों में क्षेत्रीय असमानताओं को भी कम करती है। यह लैंगिक आधार पर वेतन में व्यापक अंतर को दूर करने और सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए आय संबंधी सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके समानांतर, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता, 2020 महिलाओं को पारंपरिक रूप से नियत कामकाज के घंटों से परे काम करने की अनुमति देकर उनकी आर्थिक भागीदारी के नए अवसर खोलती है। पूर्व में 1948 के फैक्ट्री अधिनियम के तहत कारखानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में रात्रि पाली में महिलाओं को काम करने से रोकने संबंधी प्रतिबंध के उलट, इस नए संहिता का उद्देश्य कमाई की क्षमता के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं के बीच समान अवसर प्रदान करना है। इस प्रतिबंध के हटने से महिलाएं पारंपरिक रूप से पुरुषों के प्रभुत्व वाली पाली में काम कर सकेंगी। इससे अपने पुरुष समकक्षों के बराबर वेतन अर्जित करने की उनकी क्षमता बढ़ जाएगी। उदाहरण के तौर पर आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, पंजाब, बिहार, गोवा, हिमाचल प्रदेश, असम, मेघालय, त्रिपुरा, केरल, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, झारखंड, उत्तर प्रदेश आदि राज्यों ने पहले ही रात्रि पाली में महिलाओं के काम करने पर प्रतिबंध को हटा लिया है। इसके परिणामस्वरूप पुरुषों के रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव डाले बिना महिलाओं के रोजगार में वृद्धि हुई है, खासकर बड़ी व निर्यात-उन्मुख फर्मों में। इससे पता चलता है कि महिलाओं को रात्रि पाली में शामिल करने से औपचारिक क्षेत्र के रोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

हालांकि रात में काम करना अनूठी, खासकर सुरक्षा से जुड़ी, चुनौतियां पेश करता है। इसे स्वीकार करते हुए, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहितायह सुनिश्चित करती है कि महिलाओं को केवल उनकी स्पष्ट सहमति से ही रात्रि पाली में नियुक्त किया जाए और सुरक्षा के पर्याप्त उपाय लागू हों। नियोक्ताओं द्वारा सुरक्षित परिवहन, अलग शौचालय और यौन उत्पीड़न रोकने के उपायों सहित सुरक्षा संबंधी अन्य व्यवस्थाएं प्रदान करना आवश्यक है। यह बदलाव उस पारंपरिक, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण से दूर हटने का प्रतीक है जो सुरक्षा के नाम पर महिलाओं के काम के घंटों को सीमित करता था। इसके बजाय, यह कदम महिलाओं को उनकी सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता देने वाले ढांचे के भीतर विकल्प और स्वायत्तता प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाता है।

महिलाओं की देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों का ध्यान रखना और व्यावसायिक सुरक्षा, एवं स्वास्थ्य को बेहतर बनाना : श्रम बाजार में महिलाओं की कार्य क्षमता को प्रभावित करने वाला एक अन्य प्रमुख कारक उन पर काम का दोहरा बोझ है। इस बोझ के तहत उन्हें वेतनभोगी काम के साथ-साथ घरेलू एवं बच्चों की देखभाल की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बिठाना पड़ता है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुमानों के अनुसार, 2023 में, 74.8 करोड़ लोग (15 वर्ष या उससे अधिक आयु के) देखभाल संबंधी जिम्मेदारियों के कारण वैश्विक श्रमबल का हिस्सा बनने में असमर्थ थे। इनमें अधिकांश महिलाएं थीं। इसके अलावा, महिलाओं के अनुकूल एक ऐसे बुनियादी ढांचे की जरूरत है जो कार्यस्थल पर लैंगिक दृष्टि से महिलाओं और पुरुषों की भिन्न भिन्न प्रकार की विशेष जरूरतों को पूरा कर सके।

व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य दशाएं संहिता सभी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, स्वच्छता, शौचालय और शिशुगृह संबंधी सुविधाओं के लिए न्यूनतम मानक स्थापित करती है। यह प्रावधान लंबे समय से चली आ रही बुनियादी ढांचे की उन कमियों को दूर करता है, जिसने महिलाओं को विशेष रूप से मैन्यूफैक्चरिंग, खनन और निर्माण क्षेत्रों में रोजगार पाने से रोका है।

प्रिंट मीडिया में विज्ञापनों की दरों में 26% वृद्धि की घोषणा की और रंगीन विज्ञापनों के लिए प्रीमियम की शुरुआत की

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . सरकार ने विज्ञापन दरों में 26% की वृद्धि करने का निर्णय लिया है। प्रिंट मीडिया के लिए प्रति वर्ग सेमी, दैनिक समाचार पत्रों की एक लाख प्रतियों के लिए श्वेत-श्याम विज्ञापन की दरें 47.40 रुपये से बढ़ाकर 59.68 रुपये कर दी गई हैं, जो 26% की वृद्धि है। सरकार ने रंगीन विज्ञापनों के लिए प्रीमियम दरों और तरजीही स्थिति से संबंधित समिति की सिफारिशों पर भी सहमति व्यक्त की है।

केंद्रीय संचार ब्यूरो (सीबीसी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत एक नोडल मीडिया इकाई है जो भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों की ओर से विभिन्न मीडिया माध्यमों, जिनमें प्रिंट मीडिया भी शामिल है, के माध्यम से प्रचार अभियान चलाती है। इस उद्देश्य के लिए सीबीसी के साथ पैनलबद्ध, प्रिंट मीडिया में विज्ञापन जारी करने की दरों को मंत्रालय द्वारा अंतिम बार 09.01.2019 को 8वीं दर संरचना समिति (आरएससी) की सिफारिशों के आधार पर संशोधित किया गया था, जो तीन वर्षों की अवधि के लिए मान्य थीं।

समिति ने प्रिंट मीडिया की लागत का मूल्यांकन किया

प्रिंट मीडिया में सरकारी विज्ञापनों के लिए दरों में संशोधन के संबंध में सिफारिशें करने के लिए एएस एंड एफए (आई एंड बी) की अध्यक्षता में 9वीं दर संरचना समिति का गठन 11 नवंबर, 2021 को किया गया था।

समिति ने नवंबर, 2021 और अगस्त, 2023 के बीच अपनी कार्यवाही के दौरान, लघु, मध्यम और बड़े श्रेणी के समाचार पत्रों के विभिन्न समाचार पत्र संघों, जैसे इंडियन न्यूजपेपर सोसाइटी (आईएनएस), ऑल इंडिया स्मॉल न्यूजपेपर्स एसोसिएशन (एआईएसएनए), स्मॉल-मीडियम-बिग न्यूजपेपर्स सोसाइटी (एसएमबीएनएस) और अन्य हितधारकों के अभ्यावेदनों पर विचार किया। समिति ने प्रिंट

मीडिया में विज्ञापनों की दरों को प्रभावित करने वाले विभिन्न मापदंडों पर भी विचार-विमर्श किया, जैसे कि न्यूजप्रिंट के संबंध में थोक मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति, मजदूरी, मुद्रास्फीति की दर, आयातित न्यूजप्रिंट की कीमतों का रुझान, प्रसंस्करण लागत, आदि। समिति ने 23 सितंबर, 2023 को अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं।

राजस्व बढ़ाएँ और प्रिंट मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करें

प्रिंट मीडिया में सरकारी विज्ञापनों की दरें बढ़ाने से सरकार और मीडिया जगत, दोनों को कई महत्वपूर्ण लाभ होंगे। सरकारी विज्ञापनों की ऊँची दरें प्रिंट मीडिया को आवश्यक राजस्व सहायता प्रदान करेंगी, खासकर विभिन्न अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म्स से प्रतिस्पर्धा के दौर में और पिछले कुछ वर्षों में लागत में वृद्धि को देखते हुए। इससे संचालन को बनाए रखने, गुणवत्तापूर्ण पत्रकारिता बनाए रखने और स्थानीय समाचार पहलों को समर्थन देने में मदद मिल सकती है। वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देकर, प्रिंट मीडिया बेहतर सामग्री में निवेश कर सकता है, जिससे जनहित की सेवा अधिक प्रभावी ढंग से हो सकेगी। विज्ञापन दरों में वृद्धि मीडिया उपभोग के व्यापक रुझानों के अनुरूप हो सकती है। विविध मीडिया पारिस्थितिकी तंत्र में प्रिंट मीडिया के महत्व को पहचानकर, सरकार अपनी संचार रणनीतियों को बेहतर ढंग से लक्षित कर सकती है, और यह सुनिश्चित कर सकती है कि वे विभिन्न प्लेटफार्मों पर नागरिकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचें।

अन क्लेमड एसेट्स निपटान हेतु 21 नवम्बर को फरीदकोट, फाजिल्का एवं फतेहगढ़ साहिब में विशाल शिविर

जालंधर ब्रीज (चंडीगढ़) . 21 नवम्बर 2025 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति पंजाब के नेतृत्व में पंजाब के फरीदकोट, फाजिल्का एवं फतेहगढ़ साहिब जिले में विशाल शिविर का आयोजन किया जायेगा। पंजाब नेशनल बैंक एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति पंजाब के उप महाप्रबंधक रामकिशोर मीना द्वारा बताया गया कि वित्त मंत्रालय द्वारा जारी "आपकी पूंजी -आपका अधिकार" जन जागरण अभियान 1 अक्टूबर 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक चलाया गया है जिसके तहत अग्रणी जिला प्रबंधको द्वारा सभी वित्तीय संस्थाओ से संपर्क करते हुए भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार उक्त जिलो में विशाल शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमे बैंक, बीमा ,पेंशन एवं म्युचुअल फंड विभागों के शीर्ष अधिकारियो द्वारा भाग लिया गया।

उन्होंने आगे बताया की बैंक में जमा राशि को यदि 10 वर्ष तक भी प्राप्त नहीं किया गया हो तो यह जमा राशि भारतीय रिज़र्व बैंक को चली जाती है।

इस दावा रहित पुरानी जमा राशि, म्युचुअल फंड, बीमा राशि, को कैसे प्राप्त किया जा सकता, इसकी विस्तृत जानकारी दी जाएगी । इस तरह के जागरूकता शिविर सभी राज्यों में लगाये जा रहे है ताकि पुरानी दावा रहित जमा राशी को वापस उसके असली मालिक को या नामित व्यक्ति को या कानूनन उत्तराधिकारियों को वापस की जा सके। अब तक पंजाब के १० जिलो में मेगा शिविर आयोजित किये जा चुके है एवं आगामी दिनों में भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक के दिशा निर्देशानुसार शेष सभी जिलो में जागरूकता शिवर आयोजित किये जायेंगे। अधिक जानकारी हेतु भारतीय रिज़र्व बैंक के उदगम पोर्टल (Udgam Portal) एवं अपनी नजदीकी बैंक शाखा में संपर्क कर सकते है एवं अपनी पुरानी जमा राशी को प्राप्त कर सकते हैं। ग्राहक अपने खाते में पुन के वाई सी एवं नामांकन भी अद्दतन करवा सकते हैं।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, पंजाब ने दो दिवसीय ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी सम्मेलन की मेज़बानी की

• **जालंधर ब्रीज .** चंडीगढ़

होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र (HBCH&RC), पंजाब ने अपने न्यू चंडीगढ़ कैंपस में हड्डियों और मांसपेशियों के कैंसर (ऑर्थोपेडिक ऑन्कोलॉजी) पर दो दिन का एक सफल मेडिकल सम्मेलन आयोजित किया। इस कार्यक्रम में पूरे देश से हड्डियों के कैंसर के इलाज में माहिर डॉक्टर और बड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। उन्होंने एक-दूसरे के साथ अपना ज्ञान, नए शोध और मरीज़ों के इलाज के अनुभव साझा किए।

इस मेडिकल कॉन्फ्रेंस का मुख्य एजेंडा हड्डी के ट्यूमर (गाँठ), जो अच्छे या बुरे (कैंसर वाले) हो सकते हैं, उनके निदान (पहचान) और इलाज की बारीकी से समीक्षा करना था। इसमें शामिल डॉक्टरों को यह जानने में मदद मिली कि मरीज़ के ट्यूमर को पहचानने और सही इलाज की योजना बनाने में स्कैन (जैसे MRI) और बायोप्सी की रिपोर्ट कितनी ज़रूरी होती है।

सत्रों में यह समझाया गया कि मरीज़ की असल स्थिति को देखते हुए इलाज कैसे प्लान किया जाए। डॉक्टरों ने एक-दूसरे के साथ मरीज़ों के असली केस पर चर्चा की और अलग-अलग विशेषज्ञ डॉक्टरों से सवाल-जवाब किए, ताकि सब मिलकर मरीज़ की बेहतर देखभाल कर सकें। मीटिंग में इलाज के नए तरीकों पर भी बात हुई, जैसे कि पैर या अंग को बचाने की एडवांस तकनीकें (लिम्ब साल्वेज) और जटिल ट्यूमर के इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाली नई किरणें (रेडिएशन)।

होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के निदेशक डॉ. (प्रोफेसर) आशीष गुलिया जो IMSOS (द इंडियन मस्कुलो स्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी) के अध्यक्ष भी हैं, ने कहा कि इस तरह के मेडिकल कॉन्फ्रेंस बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने ज़ोर दिया कि हड्डियों और सॉफ्ट टिश्यू के ट्यूमर वाले मरीज़ों के लिए

सभी डॉक्टरों (इलाज करने वाले, स्कैन देखने वाले और बायोप्सी करने वाले) का मिलकर काम करना बहुत ज़रूरी है, ताकि मरीज़ों को सही और सबूतों पर आधारित बेहतरीन इलाज मिल सके।

मेडिकल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए सभी लोगों ने इसकी तारीफ की। उन्होंने कहा कि कैंसर के मुद्दे पर हुई वैज्ञानिक चर्चाएँ बहुत अच्छी थीं और उन्हें अपने साथियों तथा बड़े विशेषज्ञों से बहुत कुछ सीखने और बात करने का मौका मिला।

पंजाब और आस-पास के राज्यों के लोगों को बेहतरीन कैंसर इलाज देने के मकसद से, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अगस्त, 2022 में साहिबज़ादा अजित सिंह नगर ज़िले के न्यू चंडीगढ़ (मोहाली) में इस 'होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र' को देश को समर्पित किया था। यह अस्पताल भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत काम करने वाले टाटा मेमोरियल सेंटर ने 660 करोड़ रुपये से ज़्यादा की लागत से बनाया है।

यह एक बड़ा अस्पताल है जिसमें 300 बेड हैं। इसमें हर तरह के कैंसर के इलाज के लिए आधुनिक सुविधाएँ हैं, जैसे: ऑपरेशन, रेडियोथेरेपी, कीमोथेरेपी, इम्यूनोथेरेपी और बोन मैरो ट्रांसप्लांट।

यह अस्पताल इस पूरे इलाके में कैंसर के इलाज के मुख्य केंद्र ('हब') की तरह काम करता है, और संगरूर में स्थित 150 बेड वाला अस्पताल इसकी सहायक शाखा ('स्पोक') है।

"नक्शा" : विश्वसनीय भू-अभिलेखों और नागरिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल

• **जालंधर ब्रीज .** नई दिल्ली

देश आर्थिक और श्रम परिदृश्य में एक ऐतिहासिक परिवर्तन का साक्षी बन रहा है। 29 से अधिक केंद्रीय श्रम कानूनों को चार व्यापक श्रम संहिताओं में समेकित करना केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं है बल्कि यह श्रम इकोसिस्टम निर्माण की दिशा में एक कदम है जो आधुनिक, समावेशी और तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था की वास्तविकताओं के प्रति उत्तरदायी है।

लंबे समय से उद्योग जगत द्वारा श्रम सुधार एक मुख्य मांग रही है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण, प्रौद्योगिकी द्वारा उद्योगों को बाधित करने और रोजगार के नए विकल्पों के उभरने के साथ, देश को एक ऐसे ढांचे की आवश्यकता है जो व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता का समर्थन कर सके और श्रमिकों के अधिकारों और गरिमा की रक्षा कर सके। चार श्रम संहिताएं- मजदूरी, औद्योगिक सम्बंध, सामाजिक सुरक्षा, और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और काम करने की स्थिति पर - एक एकीकृत और सरलीकृत प्रणाली प्रदान करके ठीक यही करना चाहती हैं जो अस्पष्टता को कम करती है और अधिक समानता सुनिश्चित करती है।

नियोक्ताओं के लिए लाभ : उद्यमों के लिए, विशेष रूप से प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में, श्रम संहिता बहुत आवश्यक सरलीकरण प्रदान करती है। कई अनुपालन और अतिव्यापी परिभाषाओं को एक स्पष्ट और एकीकृत प्रणाली में बदल दिया गया है। डिजिटल फाइलिंग, समान वेतन परिभाषाएं और सुव्यवस्थित लाइसेंसिंग प्रक्रियाएं अनुपालन बोझ को कम करती हैं और पारदर्शिता लाती हैं।

ये सुधार देश के एमएसएमई और स्टार्ट-अप के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। अनुपालन जटिलता को कम करके और एकल-खिड़की मंजूरी को सक्षम करके, श्रम संहिताएं छोटे व्यवसायों को तेजी से बढ़ने और घरेलू और वैश्विक बाजारों में अधिक प्रभावी ढंग से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती हैं। महत्वपूर्ण रूप से, निश्चित अवधि के रोजगार और आधुनिक विवाद समाधान के प्रावधान व्यवसायों को प्रक्रियात्मक देरी से बाधित हुए बिना बढ़ने और अनुकूलन करने के लिए लचीलापन प्रदान करती हैं।

समान रूप से महत्वपूर्ण छोटे अपराधों का गैर-अपराधीकरण है, जो विशिष्ट प्रक्रियात्मक उल्लंघनों के लिए आर्थिक दंड के साथ कारावास को प्रतिस्थापित करता है। यह अधिक विश्वास-आधारित अनुपालन वातावरण के लिए एक प्रगतिशील पहल का प्रतिनिधित्व करता है, अनावश्यक मुकदमेबाजी को कम करता है, और नियोक्ताओं और नियामकों के बीच स्व-नियमन और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

श्रम संहिता : भविष्य अनुकूल कार्यबल का निर्माण

सुश्री ज्योति विज
(महानिदेशक, फ़िक्की)

श्रमिकों के लिए लाभ : श्रमिकों के लिए संहिता, निष्पक्षता के सिद्धांत को सुदृढ़ करती है। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम मजदूरी और वेतन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करती है, इससे मनमाने या विलंबित भुगतान की संभावना समाप्त हो जाती है। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता कार्यस्थल सुरक्षा को मजबूत करती है, कल्याणकारी सुविधाओं को अनिवार्य करती है, और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच शुरू करती है। भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, मातृत्व अवकाश और बीमा सहित सामाजिक सुरक्षा लाभ श्रमिकों के व्यापक आधार तक बढ़ाए जाते हैं, इससे उन लाखों लोगों को वित्तीय सुरक्षा मिलती है जो पहले इस दायरे में नहीं आते थे। अक्सर नियामक ढांचे से बाहर रहने वाले अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक, श्रम संहिताओं से मान्यता और सुरक्षा पाते हैं। ये प्रावधान नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच सामाजिक अनुबंध को मजबूत करते हैं, काम की गरिमा को बनाए रखते हैं।

गिग और प्लेटफ़ॉर्म वर्कर्स के लिए लाभ : शायद सबसे दूरदर्शी प्रावधान गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों और एग्रीगेटर्स की औपचारिक मान्यता है। लगभग 8 मिलियन भारतीय गिग इकॉनमी (एक ऐसी अर्थव्यवस्था जिसमें पारंपरिक "नौकरी" के बजाय अस्थायी, फ्रीलांस और अंशकालिक काम पर जोर दिया जाता है) में लगे हुए हैं और आने वाले दशक में इस संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। श्रम संहिता समावेशी विकास के लिए एक आधार प्रदान करती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता उन योजनाओं के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करती है जो स्वास्थ्य, मातृत्व, बीमा और वृद्धावस्था लाभों को कवर करती हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है जो काम के पारंपरिक और नए विकल्पों के बीच के अंतर को कम करता है। यह सुनिश्चित करता है कि जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी नौकरियों के भविष्य को नया आकार देती है, उभरते क्षेत्रों में श्रमिक पीछे न रहें।

महिला कर्मचारियों के लिए लाभ : ये संहिताएं कार्यस्थल में लैंगिक समानता को आगे बढ़ाने की दिशा में भी एक कदम आगे हैं। वे समान काम के लिए समान वेतन के सिद्धांत की पुष्टि करते हैं, मातृत्व लाभ को मजबूत करते हैं और क्रेच सुविधाओं के लिए प्रावधान लागू करते हैं। सुरक्षा और गरिमा के लिए आवश्यक सुरक्षा उपायों के साथ महिलाओं के काम के घंटों पर प्रतिबंधों को कम करके - श्रम संहिताएं महिलाओं के लिए उन क्षेत्रों और बदलावों में भाग लेने के अवसर पैदा करती हैं जो पारंपरिक रूप से कठिन थे। उच्च वेतन वाली नौकरी जैसे कि खान श्रमिक तथा भारी मशीनरी का संचालन आदि क्षेत्रों में काम करने का अवसर प्रदान करने के साथ ही महिलाओं को भेदभाव से भी बचाता है। ऐसे समय में जब देश में महिला श्रम बल की भागीदारी वैश्विक औसत से कम है, ऐसे सुधार महिलाओं को आर्थिक विकास में पूरी तरह से योगदान करने में सक्षम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

अन्य हितधारकों के लिए लाभ : नियोक्ताओं और कर्मचारियों के अलावा, श्रम संहिता सरकारी एजेंसियों को पारदर्शी कार्यान्वयन के लिए एक आधुनिक ढांचा प्रदान करते हुए, अनुपालन को सरल बनाकर और विकास को सक्षम करके एमएसएमई और स्टार्ट-अप को भी लाभ पहुंचाती है। निवेशकों के लिए, एक पूर्वानुमानित और व्यापार के अनुकूल श्रम व्यवस्था देश की विकास गाथा में विश्वास बढ़ाती है। मजदूर संघों को मान्यता और बातचीत प्रक्रियाओं में स्पष्टता मिलती है, इससे सामाजिक संवाद के ढांचे को मजबूती मिलती है। अंततः, जब काम सुरक्षित, निष्पक्ष और अधिक समावेशी हो जाता है तो समग्र रूप से समाज को लाभ होता है।

आगे की एक साझा यात्रा : श्रम संहिताएं एक नए अध्याय की शुरुआत हैं। इनकी सफलता सुचारू कार्यान्वयन, राज्यों के बीच समन्वय और सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करेगी। देश के लिए अगला दशक महत्वपूर्ण होने वाला है, इसलिए हमें अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का उपयोग करना चाहिए और प्रौद्योगिकी, वैश्वीकरण और स्थिरता की अनिवार्यताओं के अनुकूल दिए गए काम के लिए भविष्य में तैयार रहना चाहिए। श्रम संहिता इस परिवर्तन के लिए कानूनी आधार प्रदान करती है - उद्यमों को लचीलापन, श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक समानता प्रदान करती है। यदि श्रम संहिताओं को अक्षरश: लागू किया जाए तो विकास समावेशी, टिकाऊ और भविष्य के लिए तैयारी सुनिश्चित करते हुए, एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति के रूप में भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है।

350वां शहीदी दिवस : शहीदी यात्रा आज पहुंचेगी कपूरथला

डिप्टी कमिश्नर व सज्जन चीमा द्वारा यात्रा के रूट की समीक्षा, 22 नवंबर को फगवाड़ा शहर से गुजरकर आगे रवाना होगी

• **जालंधर ब्रीज.** कपूरथला

श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित सजाई जा रही शहीदी यात्रा कल 21 नवंबर को गोइंदवाल पुल से दोपहर बाद कपूरथला जिले में प्रवेश करेगी। इस शहीदी यात्रा के रूट का आज डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पंचाल, नगर सुधार ट्रस्ट कपूरथला के चेयरमैन एवं हल्का इंचार्ज सज्जन सिंह चीमा, एसएसपी गौरव तूरा ने जायजा लिया।

डिप्टी कमिश्नर ने गोइंदवाल पुल, जहां से शहीदी यात्रा कपूरथला जिले में दाखिल होगी, वहां अधिकारियों सहित जायजा लेने के मौके पर कहा कि पंजाब सरकार के दिशा-निर्देशों अनुसार जिला प्रशासन द्वारा यात्रा के स्वागत के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए है। यहां पुलिस की टुकड़ी द्वारा यात्रा को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया जाएगा। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि गोइंदवाल पुल से होते हुए यह यात्रा मुंडी मोड़, पिंड उच्चा, परवेज नगर, बस स्टैंड कपूरथला से होते हुए करतारपुर पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान संगत के लिए मुंडी मोड़,उच्चा और कपूरथला बस स्टैंड पर लंगर का प्रबंध किया गया है।

बताने योग्य है कि 22 नवंबर को शहीदी यात्रा जिला जालंधर से शुरू होकर फगवाड़ा से गुजरते हुए श्री आनंदपुर साहिब के लिए रवाना होगी। डिप्टी कमिश्नर ने गोइंदवाल पुल से लेकर शहर से गुजरने वाले यात्रा के रूट का स्वयं जायजा लिया गया तथा अधिकारियों को यात्रा के लिए सुचारु आवागमन तथा विशेष तौर पर साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने के आदेश दिए। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा शहीदी शताब्दी यात्रा के लिए समस्त प्रबंध पूरे कर लिए गए है। उन्होंने समस्त शहरवासियों से अपील करते हुए कहा कि गुरु साहिब की शताब्दी यात्रा में पहुंचकर गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस मौके उन्होंने पार्किंग, सुचारु आवागमन, संगत के लिए लंगर, पीने के पानी आदि के प्रबंधों की समीक्षा की। इस मौके एडीसी विकास वरिंदरपाल सिंह बाजवा, एडीसी (ज) नवनीत कौर बल, एसपी गुरप्रीत सिंह गिल तथा अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

• श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित शहीदी यात्रा के रूट का गोइंदवाल पुल पर जायजा लेते डिप्टी कमिश्नर अमित कुमार पंचाल। साथ है चेयरमैन सज्जन सिंह चीमा, एसएसपी गौरव तूरा तथा अन्य।

21 को सब-डिवीजन कपूरथला और 22 को फगवाड़ा में मीट एवं शराब की दुकानें बंद रखने के आदेश

कपूरथला. श्री गुरू तेग बहादर जी के 350वें शहीदी शताब्दी वर्ष को समर्पित निकाली जा रही शताब्दी यात्रा के मार्ग पर मीट/मछली एवं शराब की दुकानें बंद करने के आदेश जारी किए गए है। जिला मैजिस्ट्रेट अमित कुमार पंचाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 तथा पंजाब लिकर लाइसेंस नियमों के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए ये आदेश जारी किए हैं। जारी आदेशों के अनुसार 21 नवंबर 2025 को सब-डिवीजन कपूरथला में 22 नवंबर 2025 को सब-डिवीजन फगवाड़ा में शहीदी यात्रा के दौरान संबंधित रूट पर आने वाली सभी मीट/मछली एवं शराब की दुकानें पूर्ण रूप से बंद रहेंगी। आदेश में बताया गया है कि 21 नवंबर को यात्रा मुंड मोड़ से होती हुई गांव उच्चा, परवेज नगर, बस स्टैंड से करतारपुर रोड होते हुए करतारपुर पहुंचेगी तथा 22 नवंबर को जिला जालंधर से फगवाड़ा होते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुंचेगी।

मैरिज पैलेस, सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर की आवाज़ कम रखने के आदेश

बसों, कारों, मोटरसाइकिलों सहित हर प्रकार के वाहनों पर प्रेशर हॉर्न पर पूर्ण प्रतिबंध

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट, चंडीगढ़ द्वारा जारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट अमनिंदर कौर ने नॉइज़ पॉल्यूशन (रेगुलेशन एंड कंट्रोल) रूल्स, 2000 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए है कि जिला जालंधर की सीमा के अंदर आने वाले क्षेत्रों में मैरिज पैलेस, सार्वजनिक स्थानों तथा धार्मिक स्थलों पर लाउडस्पीकर की आवाज़ 10 डेसिबल से कम होनी चाहिए। साथ ही अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट द्वारा बसों, कारों, मोटरसाइकिलों एवं हर प्रकार के वाहनों पर प्रेशर हॉर्न के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

आदेशों में यह भी कहा गया है कि मैरिज पैलेस एवं सार्वजनिक स्थानों आदि पर लाउडस्पीकर आदि का उपयोग करने से पहले इसकी पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा तथा अनुमति मिलने के बाद लाउडस्पीकर का उपयोग सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक ही किया जा सकेगा। ये आदेश 23 नवंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक लागू रहेंगे।

होम्योपैथिक विभाग में 115 पदों की भर्ती को मंजूरी

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). विभिन्न तकनीकी और प्रशासनिक पदों को पुनर्जीवित करने एवं भर्ती के माध्यम से होम्योपैथिक विभाग को मजबूत करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण फैसले की घोषणा करते हुए वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि वित्त विभाग ने होम्योपैथिक विभाग के अंतर्गत विभिन्न कैडरों में कुल 115 पदों को पुनर्जीवित एवं भर्ती को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि यह कदम पूरे प्रदेश में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए विभाग की क्षमता बढ़ाने के मकसद से उठाया गया है।

हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि 115 पदों की भर्ती में होम्योपैथिक मेडिकल ऑफिसर (एचएमओ) के 42 पद, डिस्पेंसर (होम्योपैथिक) के 72 पद और 1 क्लर्क का पद शामिल है। उन्होंने कहा कि इन 115 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया दो वर्षों में चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी।

पंजाब सहकारी कृषि विकास बैंक ने किसानों के लिए लोन योजना फिर शुरू की

चेयरमैन पवन कुमार टीनू ने 24 लाभार्थियों को एक करोड़ रुपये के चेक दिए

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

पंजाब में कृषि कर्ज़ सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत पंजाब सहकारी कृषि विकास बैंक के चेयरमैन पवन कुमार टीनू ने गुरुवार को विभिन्न जिलों के 24 किसानों को एक करोड़ रुपये के चेक सौंपकर लोन वितरण प्रोग्राम की शुरुआत की। लंबे समय से बंद पड़ी कृषि विकास बैंक की लोन सुविधा को पुनर्जीवित करने के लिए यह समारोह आज जालंधर स्थित एग्रीकल्चर स्टाफ ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित किया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए टीनू ने कहा कि यह "गर्व की बात" है कि किसान हितैषी संस्था ने कई वर्षों की रुकावट के बाद अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब सहकारी कृषि विकास बैंक, जो 1957 से साधारण ब्याज दर पर लोन दे रहा था, उसकी सेवाएं पिछली सरकारों की उपेक्षा के कारण बंद हो गई थी। चेयरमैन ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा 2022 में 900 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जारी करने के बाद ही यह बैंक फिर से चालू होने योग्य बना और इसे "नई जिंदगी" मिली। जिला योजना समिति के चेयरमैन अमृतपाल सिंह, जालंधर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन रमणीक सिंह रंधावा सहित श्री टीनू ने विभिन्न जिलों के लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने बताया कि बैंक कृषि, गैर-कृषि, शिक्षा तथा अपने कर्मचारियों सहित कई क्षेत्रों में लोन उपलब्ध कराएगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पुनः शुरू की गई यह लोन सुविधा किसानों के लिए बहुत मददगार साबित होगी, क्योंकि बैंक अन्य बैंकिंग क्षेत्र की तुलना में सबसे कम ब्याज दरों पर कर्ज़ उपलब्ध करवाएगा।

टीनू ने कहा कि पंजाब सरकार हमेशा किसानों की भलाई को प्राथमिकता देती आई है। उन्होंने हाल ही में फसली नुकसान की भरपाई को तेजी से पूरा करने को इसका एक और महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि नई कर्ज़ योजना पंजाब के कृषि समुदाय को मजबूत बनाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को प्रगति देने में मदद करेगी।

श्रीनगर से आरंभ हुए नगर कीर्तन का पठानकोट में शानदार स्वागत

कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क, जिला प्रशासन और संगतों ने की फूलों की वर्षा, पंजाब पुलिस की टुकड़ी ने दी सलामी

• **जालंधर ब्रीज.** माधोपुर

नौंवे पातशाह श्री गुरु तेग़ बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के संबंध में श्रीनगर से 19 नवंबर को शुरू हुए नगर कीर्तन का आज पंजाब में प्रवेश करते समय माधोपुर हैड पर कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क, जिला प्रशासन पठानकोट तथा संगत द्वारा फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। नगर कीर्तन के पंजाब में प्रवेश करने पर पंजाब पुलिस की टुकड़ी द्वारा सलामी दी गई। इस दौरान निहंग सिंहों ने गतके के जौहर भी दिखाये। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर डॉ. पल्लवी, एस.एस.पी. दलजिंदर सिंह ढिल्लों, आम आदमी पार्टी पंजाब के उप प्रधान स्वरन सलारिया, जिला प्रधान अमनदीप सिंह संधू, साहिब सिंह साबा, किसान विंग के प्रधान बलजिंदर बंटी आदि उपस्थित थे। माधोपुर से सुजानपुर, मलकपुर, छोटी नहर, टैंक चौक, बस अड्डा पठानकोट, लाइटों वाला चौक, मिशन चौक होते हुए नगर कीर्तन का श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल, मिशन रोड, पठानकोट में ठहराव किया गया, जो 21 नवंबर को सुबह श्री गुरु हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल से चलकर सिम्बल हक, चक्की पुल, डमटाल, मीरथल, टोल प्लाज़ा मानसर होते हुए जिला होशियारपुर की सीमा में प्रवेश करेगा।

बताते चलें कि 19 नवंबर को श्रीनगर से शुरू हुआ नगर कीर्तन 21 नवंबर को होशियारपुर में ठहराव करेगा व कुल 544 किलोमीटर की यात्रा तय करके 22 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में समाप्त होगा।

वेटरनज़ आउटरीच प्रॉपर्टी के तहत एक्स सर्विसमैन रैली 23 नवंबर को

जालंधर (जालंधर ब्रीज). जिला रक्षा सेवाएं कल्याण अधिकारी कमांडर बलजिंदर सिंह विर्क ने जानकारी देते हुए बताया कि बॉम्बे सैपर्स द्वारा पूर्व सैनिकों, वीर नारियों तथा उनके वारिसों की भलाई हेतु वेटरनज़ आउटरीच प्रोग्राम के अंतर्गत 23 नवंबर 2025 को वज्रा सैनिक इंस्टीट्यूट, जालंधर कैंट में एक्स सर्विसमैन रैली का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस रैली में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके वारिसों की पेंशन, स्पर्श एक्स सर्विसमैन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम, पेंशन वितरण एवं बैंकिंग, आधार कार्ड, मेडिकल/डेंटल आदि मामलों का मौके पर निपटारा करने के साथ-साथ जिला सैनिक बोर्ड और डीपीडीओ के साथ भी संवाद होगा। रैली में पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके वारिसों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के उद्देश्य से विभिन्न रिकॉर्ड ऑफिस, ई.सी.एच.एस. पॉलीक्लिनिक, सेंट्रल एम.आई. रूम, आधार ऑफिस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, केनरा बैंक, इंश्योरेंस सेक्टर की एल.आई.सी. तथा जिला सैनिक बोर्ड द्वारा स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि इस रैली में इंजीनियर-इन-चीफ एवं कर्नल कमांडेंट बॉम्बे सैपर्स लेफ्टीनेंट जनरल विकास रोहेला, सेना मेडल, लेफ्टीनेंट जनरल एस.एस. हसाबनिस, परम विशिष्ट सेवा मेडल, वी.एस.एम., ए.डी.सी. (रिटायर्ड) विशेष रूप से शिरकत करेंगे। उन्होंने बॉम्बे इंजीनियर ग्रुप, बंगाल इंजीनियर ग्रुप तथा सिख एल.आई. के सभी पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं उनके वारिसों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी समस्याओं का तुरंत निवारण करवाने की अपील की है।

332 करोड़ की ग्रांट का विवाद, कैंथ ने चीमा पर लगाया आरोप

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

केंद्र सरकार के 15वें वित्त आयोग ने पंजाब की ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के लिए 332 करोड़ रुपये के अनुदान जारी किए हैं, जिनका उद्देश्य विभिन्न विकास और स्वच्छता परियोजनाओं को निधि देना है। ये आवंटन केंद्र सरकार के नियमित, फॉर्मूला-आधारित वितरण का हिस्सा हैं, न कि पंजाब राज्य सरकार की किसी विशिष्ट योजना का।इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पंजाब के अनुसूचित जाति मोर्चा के उपाध्यक्ष, परमजीत सिंह कैंथ ने पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा पर इन निधियों के स्रोत के बारे में "धोखाधड़ी" और "खुलेआम झूठ" बोलने का आरोप लगाया है। कैंथ के अनुसार, राज्य सरकार के मंत्री इन फंडों को अपनी सरकार की उपलब्धि बताकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। कैंथ ने स्पष्ट किया कि ये फंड केंद्र सरकार द्वारा 70:20:10 के अनुपात में सीधे ग्राम पंचायतों, पंचायत समितियों और जिला परिषदों को दिए जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन फंडों के उपयोग की निगरानी एक डिजिटलीकृत, पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से की जाती है।

गो-सोलर प्रोजेक्ट में सबसे तेज ग्रोथ के साथ होशियारपुर नंबर वन

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए चल रहे गो-सोलर प्रोजेक्ट में होशियारपुर ज़िला डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन के नेतृत्व में पूरे पंजाब में नंबर-1 पर पहुंच गया है। 15 सितंबर से 12 नवंबर तक की अवधि में जिले ने 825 से 898 आवेदनों तक पहुंचते हुए 8.8 प्रतिशत की सबसे तेज़ ग्रोथ दर्ज की, जो प्रदेश के 21 सर्किलों में सर्वाधिक है। यह उपलब्धि प्रशासनिक दक्षता, विभागीय समन्वय और जमीनी स्तर पर किए गए सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन की डेटा-ड्रिवन कार्यशैली, माइक्रो-मॉनिटरिंग, सर्किल स्तर की नियमित समीक्षा और आवेदन प्रक्रिया में आने वाली बाधाओं को तुरंत दूर करने की रणनीति ने पूरे अभियान को नई गति दी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष अभियान चलाए गए, जबकि तकनीकी दिक्कतों को हल करने के लिए टास्क फोर्स तैनात की गई।

डिप्टी कमिश्नर आशिका जैन ने कहा कि जिले की इस शानदार उपलब्धि में कई विभागों और स्टेकहोल्डर्स का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने विशेष रूप से सहायक कमिश्नर ओएशी मंडल की सराहना की, जिन्होंने गो-सोलर प्रोजेक्ट की नोडल अधिकारी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारी के रूप में ओएशी मंडल ने सख्त फील्ड मॉनिटरिंग, विभागों के बीच सुचारू समन्वय, रियल-टाइम प्रगति की निगरानी तथा स्टेकहोल्डर टीमों के साथ समयबद्ध फॉलो-अप सुनिश्चित किया। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि उनके समर्पित नेतृत्व और सक्रिय निगरानी ने परियोजना के समग्र प्रदर्शन को उल्लेखनीय रूप से मजबूत किया है। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से सचिव मंगेश सूद, संयुक्त सचिव आदित्य राणा और रेडक्रॉस के इंटर्न्स ने कैंप लगाकर व लोगों को जागरूक कर सोलर स्कीम की जानकारी दी, आवेदन भरने में सहायता की और जागरूकता गतिविधियों को गति दी। इस दौरान पावर कॉर्पोरेशन के अधिकारी, विशेषकर एक्सीयन मुकेरियां, ने तकनीकी दस्तावेज़ों की समयबद्ध जांच और इंस्टॉलेशन प्रक्रिया के समन्वय में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आशिका जैन ने इन सभी विभागों, टीमों और इन्टर्नस के साथ-साथ उन वेंडर्स की भी सराहना की जिन्होंने उत्कृष्ट कार्य करते हुए इंस्टॉलेशन कार्य को समय पर पूरा किया और उपभोक्ताओं को सकारात्मक अनुभव दिया। उन्होंने कहा कि कुछ वेंडर्स ने बेहतरीन काम किया है और सभी स्टेकहोल्डर्स की मेहनत ने ही होशियारपुर को पंजाब में नंबर-1 बनाया है।

सीसीए पंजाब, चंडीगढ़ द्वारा पटियाला में पेंशनर कल्याण शिविर का आयोजन

• **जालंधर ब्रीज.** पटियाला

भारत सरकार के संचार मंत्रालय, दूरसंचार विभाग के अंतर्गत पंजाब राज्य में क्षेत्रीय कार्यालय, संचार लेखा नियंत्रक (सीसीए), पंजाब दूरसंचार परिमंडल, चंडीगढ़ ने पेंशनभोगी कल्याण शिविर का आयोजन किया। "राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 4.0" की शुरूआत 1 नवंबर, 2025 से हुई और यह 30 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसके एक भाग के रूप में, यह शिविर पेंशनभोगियों के कल्याण और सुविधा के लिए समर्पित था। शिविर का उद्देश्य जीवन प्रमाण पत्र अद्यतनीकरण को सुगम बनाना, स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना और पेंशनभोगियों में साइबर सुरक्षा और बैंकिंग संबंधी मुद्दों की समझ को बढ़ाना था।

पंजाब के संचार लेखा नियंत्रक (सी.सी.ए.) श्री वी.एन. टंडन ने पटियाला में शिविर का उद्घाटन और अध्यक्षता की। उद्घाटन भाषण में, सीसीए, पंजाब ने पेंशनभोगियों को आश्वासन दिया कि पेंशनभोगियों के द्वार पर विभागीय सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए इस तरह के आउटरीच और सेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं और नियमित रूप से आयोजित किए जाएँगे, जिससे उनकी सुविधा, आराम और कल्याण में वृद्धि होगी। पेंशनभोगियों को अपने डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र (जीवन प्रमाण) बनाने और जमा करने में सहायता के लिए, एक विशेष काउंटर स्थापित किया गया था, जिससे पेंशनभोगियों के लिए डीएलसी दाखिल करना आसान और सुविधाजनक हो गया। शिविर के दौरान बोलते हुए, संयुक्त सीसीए डॉ. मंदीप सिंह ने दोहराया कि सी.सी.ए. कार्यालय अपने हितधारकों के साथ संवाद स्थापित करना और प्रतिबद्ध तरीके से सेवाएँ प्रदान करना एक अहम ज़िम्मादारी है।

पटियाला के पार्क अस्पताल के सहयोग से पेंशनभोगियों के कल्याणकारी पहल के तहत एक स्वास्थ्य जाँच शिविर का भी आयोजन किया गया। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. हरसिमरन सिंह ने वरिष्ठ नागरिकों को सरल और नियमित आदतों से अपने हृदय की देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित किया। संतुलित भोजन—फलों, सब्जियों और हल्के, पौष्टिक खाद्य पदार्थों से भरपूर—के साथ-साथ हल्की-फुल्की दैनिक गतिविधियाँ जैसे टहलना या स्ट्रेचिंग, हृदय स्वास्थ्य को बहुत मज़बूत करेंगी। हृदय रोग विशेषज्ञ ने कहा कि छोटे-छोटे, लगातार कदम भी ऊर्जा, गतिशीलता और समग्र स्वास्थ्य में सुधार लाने में मदद कर सकते हैं। पार्क अस्पताल ने वरिष्ठ नागरिकों को स्वस्थ आहार संबंधी आदतों और स्वास्थ्य संबंधी सलाह पर एक विस्तृत व्याख्यान दिया और साथ ही बुनियादी चिकित्सा जाँच और स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किए। डॉक्टर ने सलाह दी कि सभी को नियमित आधार पर नियमित जांच करानी चाहिए।

'आप' सरकार ने वित्तीय कुप्रबंधन छिपाने के लिए संपत्ति बेची : बाजवा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि वित्तीय कुप्रबंधन को छिपाने के लिए वह पंजाब की संपत्ति को जानबूझकर बेच रही है। बाजवा ने मुख्यमंत्री भगवंत मान, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि तीनों पटियाला और बठिंडा में प्रमुख सरकारी संपत्तियों को बेचने की कोशिश कर रहे पंजाब को आर्थिक बर्बादी की ओर ले जा रहे हैं। उन्होंने इस कदम को "राजनीतिक अस्तित्व के लिए हताश रणनीति के रूप में निंदा की- जो आप के वर्तमान के लिए पंजाब के भविष्य को गिरवी रख देता है।

उन्होंने कहा, 'इस सरकार ने पंजाब को दिवालिया होने के कगार पर पहुंचा दिया है। जिसे वे शासन कहते हैं, वह और कुछ नहीं बल्कि खुली लूट है- अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए सार्वजनिक संपत्ति को छीनना। उन्होंने जोर देकर कहा कि नीलामी ब्लॉक पर रखी जा रही भूमि केवल उच्च मूल्य वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि महत्वपूर्ण संपत्ति है। उन्होंने कहा, 'फिर भी आप अपनी वित्तीय भूलों से पैदा हुए छिद्रों को भरने के लिए उन्हें कबाड़ की तरह फेंक रही है।

खबरों के मुताबिक, पंजाब मंडी बोर्ड ने मोहाली के फेज 11 में 12 एकड़ जमीन को अत्याधुनिक फल और सब्जी मंडी के निर्माण के लिए सौंप दिया है।

भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच बोले- गंभीर पर एजेंडा के तहत साधा जा रहा निशाना

कोटक ने कहा- हैरानी इस बात से हुई कि लोग किसी और पर सवाल नहीं उठा रहे

स्पोर्ट्स डेस्क. साउथ अफ्रीका से पहले टेस्ट में भारत की हार के बाद हेड कोच गौतम गंभीर की हो रही आलोचना से बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक बहुत नाराज दिखे। उन्हें लगता है कि कुछ लोग अपने फायदे के लिए ऐसा कर रहे हैं। कोलकाता में 30 रन से मिली हार गंभीर की कप्तानी में पिछले एक साल में भारत की घरेलू सरजमीं पर चौथी टेस्ट हार थी। कोटक ने शनिवार यानि 22 नवंबर से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले गुरुवार को कहा कि गौतम गंभीर की आलोचना हो रही है। मैं यह इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मैं एक स्टाफ हूं और मुझे बुरा लग रहा है। यह तरीका नहीं है। हो सकता है कि कुछ लोगों के अपने-अपने एजेंडा हों। उन्हें गुड लक, लेकिन यह बहुत बुरा है। गंभीर की कोलकाता में पहले टेस्ट की पिच का बचाव करने के लिए आलोचना हो रही है, जहां भारत 124 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए हार गया था। हेड कोच ने अपने बैट्समैन की आलोचना की थी कि वे खुद को परिस्थितियों के अनुरूप ढाल नहीं पाए। टर्नर पिच पर मैच तीन दिन के अंदर खत्म हो गया।

गंभीर ने कहा था कि यह पिच बिल्कुल वैसी ही थी जैसी टीम मैनेजमेंट ने मांगी थी। यह बयान कप्तान शुभमन गिल के कुछ हफ्ते पहले दिए गए उस बयान से बिल्कुल अलग था, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी टीम घर पर ज्यादा स्पोर्टिंग पिच पर खेलने के बारे में सोच रही है।

कोटक को हैरानी इस बात से हुई कि लोग गंभीर के अलावा किसी और पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। कोटक ने बल्लेबाजों की नाकामी का जिक्र करते हुए कहा, "कोई यह नहीं कह रहा कि इस बैट्समैन ने ऐसा किया, इस बॉलर ने वैसा किया, या हम बैटिंग में कुछ अलग कर सकते हैं। देखिए, पिछले मैच में विकेट गिरने पर गौतम ने कहा कि उन्होंने सारा दोष अपने ऊपर ले लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने दोष इसलिए लिया क्योंकि उन्हें लगा कि उन्हें क्यूरेटर पर दोष नहीं डालना चाहिए।"

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, Near Subhanpur Bus Stand,Hamira, Kapurthala-144802(Punjab) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.